जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के पद पर बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी नियुक्ति हेतु प्रतियोगिता परीक्षा का पाठ्यक्रम :–

प्रारंभिक परीक्षा–

कला एवं संस्कृति पदाधिकारी की भर्ती हेतु प्रारंभिक परीक्षा, सामान्य अध्ययन विषय की होगी, जिसके सभी प्रश्न वस्तुनिष्ट प्रकृति के बहुविकल्पीय होंगे। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की होगी और कुल अंक 150 होंगे। प्रश्नवार बहुविकल्पीय उत्तरों में में से प्रश्नवार किसी एक उत्तर का चयन अपेक्षित होगा।

इस प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य विज्ञान, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं, भारत का इतिहास तथा बिहार के इतिहास की प्रमुख विशेषताएं, सामान्य भूगोल, बिहार के प्रमुख भौगोलिक प्रभाग तथा यहाँ की महत्वपूर्ण नदियां, भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था, आजादी के पश्चात बिहार की अर्थ–व्यवस्था के प्रमुख परिवर्तन, भारत का राष्ट्रीय आंदोलन तथा इसमें बिहार का योगदान एवं सामान्य मानसिक योग्यता को जांचने वाले प्रश्न होंगे।

प्रारंभिक परीक्षा महज जाँच परीक्षा होगी, जिसके आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु उम्मीदवारों का चयन किया जायेगा। अतः इसमें प्राप्त किये गये अंकों का मुख्य परीक्षा से कोई संबंध नहीं होगा। इसमें उत्तीर्णता अनिवार्य होगी और इसके लिए आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हतांक प्राप्त करना होगा। मुख्य परीक्षा के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या कुल संसूचित रिक्तियों की दस गुनी होगी।

प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नों का स्तर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा राजपत्रित पदाधिकारियों हेतु वर्तमान में आयोजित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के समान होगा।

मुख्य परीक्षा–

1. सामान्य हिन्दी

कला एवं संस्कृति पदाधिकारी की भर्ती हेतु मुख्य परीक्षा में सामान्य हिन्दी का एक पत्र 100 अंकों का होगा, जिसकी परीक्षा की अवधि 3घंटे की होगी। सामान्य हिन्दी में 30प्रतिशत लब्धांक (अंक) प्राप्त करना अनिवार्य होगा, किन्तु मेधा निर्धारण के प्रयोजनार्थ इसकी गणना नहीं की जायेगी।

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिन्दी में अपने भावों को स्पष्टतः एवं शुद्ध–शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

Culture letter-19-20-879

अंको का विवरण निम्न प्रकार होगाः–

निबन्ध	–	30 अंक
व्याकरण	–	30 अंक
वाक्य विन्यास	–	25 अंक
संक्षेपण	–	15 अंक

हिन्दी परीक्षा के प्रश्नों का स्तर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा राजपत्रित पदाधिकारियों हेतु वर्तमान में आयोजित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के समान होगा।

सामान्य अध्ययन

मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन (General Studies) के पत्र–1 एवं पत्र–2 क्रमशः 100–100 अंकों का एवं परीक्षा की अवधि क्रमशः 3–3 घंटे की होगी।

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र ''1'' और प्रश्न पत्र ''2'' के भाग के निम्नलिखित क्षेत्र होंगेः–

2. सामान्य अध्ययन–पत्र–1

1. भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति।
2. राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व का वर्तमान घटना चक्र।
3. सांख्यिकी विश्लेषण, आरेखन और चित्रण।

इसमें आधुनिक भारत (तथा बिहार के विशेष संदर्भ में) के इतिहास और भारतीय संस्कृति के अंतर्गत लगभग उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य भाग से लेकर देश के इतिहास की रूप रेखा के साथ–साथ गाँधी, रवीन्द्र और नेहरू से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे। बिहार के आधुनिक इतिहास के संदर्भ में प्रश्न इस क्षेत्र में पाश्चात्य शिक्षा (प्रौद्योगिकी शिक्षा समेत) के आरंभ और विकास से पूछे जाएंगे। इसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका से संबंधित प्रश्न रहेंगे। ये प्रश्न मुख्यतः संथाल विद्रोह, बिहार में 1857 विरसा का आंदोलन, चम्पारण सत्याग्रह तथा 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन से पूछे जाएँगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे मौर्य काल तथा पाल काल की कला और पटना कलम चित्रकला की मुख्य विशेषताओं से परिचित होंगे। सांख्यिकीय विश्लेषण, आरेखन और सचित्र निरूपण से संबंधित विषयों से सांख्यिकीय आरेखन या चित्रात्मक रूप से प्रस्तुत सामग्री की जानकारी के आधार पर सहज बुद्धि का प्रयोग करते हुए कुछ निष्कर्ष निकालना और उसमें पाई गई कमियों, सीमाओं और असंगतियों का निरूपण करने की क्षमता की परीक्षा होगी।

Culture letter-19-20-880

3. सामान्य अध्ययन–पत्र–2

1. भारतीय राज्य व्यवस्था।
2. भारतीय अर्थ व्यवस्था और भारत का भूगोल।
3. भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव।

इसमें भारतीय राज्य व्यवस्था से संबंधित खंड में भारत की (तथा बिहार की) राजनीतिक व्यवस्था से संबंधित प्रश्न होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत तथा बिहार के भूगोल से संबंधित खंड में भारत की योजना और भारत के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व और प्रभाव से संबंधित तीसरे खंड में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे, जो भारत तथा बिहार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में उम्मीदवार की जानकारी की परीक्षा करे। इनमें प्रायोगिक पक्ष पर बल दिया जायेगा।

सामान्य अध्ययन परीक्षा के प्रश्नों का स्तर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा राजपत्रित पदाधिकारियों हेतु वर्तमान में आयोजित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के समान होगा।

मुख्य परीक्षा के शेष दो विषयों कला का इतिहास एवं बिहार की कला परम्परा तथा कला प्रबंधन की परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय, दीर्घउत्तरीय एवं एक निबंध के रूप में होंगे।

4. कला का इतिहास एवं बिहार की कला परम्परा

कला का इतिहास (History of Art) एवं बिहार की कला परम्परा (Art tradition of Bihar) का एक पत्र 100 पूर्णांक का होगा।

कला का इतिहास– इसके अंतर्गत भारतीय एवं विश्व कला, संस्कृति की विशेषताएं, प्रदर्शनकारी कलाएं यथा चित्रकला, मूर्तिकला, छाया कला, व्यवहारिक कला, टेक्सटाईल, फोटोग्राफी, डिजाईन, क्राफ्ट, कम्प्यूटर आर्ट आदि के विकास का इतिहास एवं इसकी विभिन्न शैलियाँ तथा प्रयोग, कला का सौन्दर्य शास्त्र, कला समालोचना, जनजातीय एवं लोक कला परंपरा एवं महत्वपूर्ण कलाकार शैलियां तथा संस्थाऐं आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

बिहार की कला परंपरा– इसके अंतर्गत बिहार की संस्कृति, प्रमुख सांस्कृतिक त्योहार, मेलें, बिहार का रंगमंच, बिहार की लोक नाट्य शैलियां, लोक गाथाऐं, प्रमुख लोक नृत्य एवं उसके कलाकार एवं शैलियां, शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत की परंपरायें तथा प्रमुख कलाकार, बिहार की लोक संगीत की प्रमुख हस्तियां तथा उनके अवदान, प्रमुख

Culture letter-19-20-881

वाद्य यंत्र, बिहार का सिनेमा (हिन्दी, क्षेत्रीय भाषायें तथा वैश्विक भाषाओं में), बिहार में सिनेमा का इतिहास, प्रमुख व्यक्तित्व एवं उपलब्धियां, बिहार में रेडियों एवं टेलिविजन की गतिविधियों का विकास से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

5. कला प्रबंधन

कला प्रबंधन का एक पत्र 100 पूर्णांक का होगा। इसके अंतर्गत कार्यालय प्रबंधन, परियोजना एवं प्रतिवेदन, कार्यक्रम प्रबंधन (कार्यक्रम की परिकल्पना, कार्यान्वन एवं समीक्षा), नवाचार, क्षेत्रीय संस्कृति आदि संबंधित शोध एवं आकड़ों का विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन, कला बाजार तथा कला विषयक चुनौतियाँ से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

साक्षात्कार

इस परीक्षा में 100 पूर्णांक का साक्षात्कार होगा।

———

Culture letter-19-20-882